

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 19 से 25 सितंबर 2026 भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित वर्ष- 14 अंक-109 पृष्ठ- 8 मूल्य- रु. 5 /-

पीएम मोदी ने सेमीकॉन 2026 में कहा: भारत ने सेमीकंडक्टर यात्रा का दूसरा चरण शुरू किया

पहला चरण 8 अरब डॉलर, दूसरा 13.5 अरब डॉलर; तीन परियोजनाएं वाणिज्यिक उत्पादन में

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत ने सेमीकंडक्टर मिशन का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। देश अब क्षमता निर्माण से आगे बढ़कर वाणिज्यिक चिप उत्पादन की ओर जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पहले चरण का आकार करीब 8 अरब डॉलर था, जबकि दूसरे चरण का लक्ष्य 13.5 अरब डॉलर रखा गया है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 का परिव्यय बढ़कर लगभग ₹1.27 लाख करोड़ हो गया है। पहले चरण में 12 परियोजनाएं मंजूर हुईं, जिनमें से तीन ने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया नए और भरोसेमंद विनिर्माण केंद्र खोज रही है और भारत इसके लिए तैयार हो रहा है। रिफॉर्म एक्सप्रेस के तहत विदेशी कंपनियां अब भारतीय स्टार्टअप, डिजाइन फर्म और ओसीआई इकाइयों के साथ साझेदारी कर सकती हैं। नीति, फंडिंग और नियामकीय ढांचे में सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है।

आयोजन की थीम है ट्रांसफॉर्म टुमोरो: सिलिकॉन टू सिस्टम्स। इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार सेमीकॉन 2.0 छह स्तंभों: चिप डिजाइन, मशीन-मटेरियल, फैब्रिकेशन, एडवांस्ड पैकेजिंग, अनुसंधान और टैलेंट पर केंद्रित होगा। लक्ष्य कम से कम 200 चिप डिजाइन कंपनियां और एक लाख पेशेवर तैयार करना है।

प्रधानमंत्री ने युवाओं को चिप डिजाइन प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के तनाव के बीच भारत को विश्वसनीय सेमीकंडक्टर हब बनाने का संदेश दिया गया।



एमपी का निर्यात आधारित विकास रोडमैप: सीएम मोहन यादव

55 में से 37 जिले निर्यात कर रहे, सभी जिलों तक पहुंचाने का लक्ष्य; ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर जोर

भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2026 में मध्य प्रदेश को निवेश, उद्योग और निर्यात का नया केंद्र बताते हुए राज्य का निर्यात-आधारित विकास रोडमैप रखा।

उन्होंने कहा कि समुद्र तट न होने के बावजूद प्रदेश के उत्पाद दुनिया के बाजारों तक पहुंच रहे हैं। वार्षिक निर्यात करीब ₹88,000 करोड़ है। 55 में से 37 जिले निर्यात कर रहे हैं। डेढ़ वर्ष में सभी जिलों से निर्यात शुरू करने का लक्ष्य है। कृषि समृद्धि को उद्योग, लॉजिस्टिक्स और प्रसंस्करण से जोड़कर विकास की कहानी आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

कारोबार आसान बनाने के लिए 900 से अधिक बाधक कानून निरस्त किए गए हैं। औद्योगिक भूमि अब 29 दिनों में उपलब्ध कराई जा रही है। 340 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे हैं। पिछले दो वर्षों में ₹10 लाख करोड़ से अधिक निवेश आकर्षित होने का दावा किया गया।

ऊर्जा क्षमता 31 गीगावॉट है, जिसमें हरित ऊर्जा का हिस्सा करीब 30 प्रतिशत है। लक्ष्य 50 प्रतिशत हरित ऊर्जा का है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य प्रणाली और नए एयरपोर्ट पर निवेश जारी है। एआई सिटी और स्पेस टेक्नोलॉजी की दिशा में भी काम बताया गया।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से राज्य के अगले विकास चरण का हिस्सा बनने का आह्वान किया। निर्यात, रोजगार और विनिर्माण को एक साथ बढ़ाने वाला यह रोडमैप विकसित मध्य प्रदेश और विकसित भारत के विजन से जोड़ा गया।



BNI
BHOPAL

BHOPAL IS GETTING ITS

MSME

CHAPTER.

BNI

MASTERS

Launching Soon

For Industrialists. For Manufacturers. For Growth.

FOR MORE DETAILS CONTACT US ON-
+91 83598 16434

August Car Sales Jump 36.5% as Festive Stocking Begins

Maruti Leads; Tata Up 59%, Mahindra 50%, Kia 48% – Toyota Slips 3%

New Delhi: Domestic passenger vehicle wholesales rose 36.5 per cent year-on-year in August to 4,39,309 units, according to the Society of Indian Automobile Manufacturers. Growth was aided by a weak year-ago base, when dispatches were held back ahead of GST changes, and by early stocking for the festive season.

Maruti Suzuki remained the largest carmaker with 1,76,971 units, up 34.8 per cent from 1,31,278 a year earlier. Tata Motors posted the sharpest rise among the top three, selling 65,253 units, up 59 per cent from 41,001. Mahindra followed

with 59,257 units, a 50 per cent increase from 39,399.

Hyundai recorded its best-ever August at 54,396 units, up 23.6 per cent. Kia sold 29,042 units, up 48.1 per cent, and moved ahead of Toyota into fifth place. Toyota was the only major name to decline, with 28,410 units, down 3 per cent from 29,302.

Among smaller players, Honda rose 39.9 per cent to 5,385 units, MG Motor 12.3 per cent to 7,508, and Nissan 147 per cent to 3,426. Renault fell 5.7 per cent to 2,842 units.

Utility vehicles continued to outpace

cars. SIAM data showed 2,50,084 utility vehicles against 1,12,011 passenger cars, with UV sales up 39.2 per cent and cars 23.8 per cent.

The figures are dealer dispatches, not retail registrations. Manufacturers expect festive demand, rural offtake and easier financing to support the September quarter, though month-on-month volumes eased from July for several brands.

डायमंड पावर को अदानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई से मिला ₹179.43 करोड़ का ऑर्डर मुंबई वितरण नेटवर्क के लिए करीब 871 किलोमीटर भूमिगत बिजली केबल की आपूर्ति

मुंबई: डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को अदानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड से भूमिगत बिजली केबलों की आपूर्ति का ऑर्डर मिला है। सौदे की वैल्यू जीएसटी सहित ₹179.43 करोड़ है।

आदेश में लगभग 871 किलोमीटर केबल शामिल हैं। इनमें 33 केवी और 11 केवी मध्यम वोल्टेज केबल तथा संबंधित 1.1 केवी निम्न वोल्टेज केबल हैं। पैकिंग, फ्रेट और ट्रांजिट इंश्योरेंस भी इसी वैल्यू में कवर हैं। अदानी इलेक्ट्रिसिटी ने लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी किया है। औपचारिक खरीद आदेश जल्द आने की उम्मीद है।

डायमंड पावर एलवी, एमवी, एचवी और ईएचवी पावर केबल, कंट्रोल-इंस्ट्रुमेंटेशन केबल, फायर रेजिस्टेंट केबल, सोलर डीसी और ईवी चार्जिंग केबल तथा कंडक्टर बनाती है। कंपनी बिजली,

इंफ्रास्ट्रक्चर, तेल-गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, रियल एस्टेट और डेटा सेंटर क्षेत्रों को आपूर्ति करती है।

मुंबई जैसे घने महानगर में भूमिगत केबल नेटवर्क ओवरहेड लाइनों की तुलना में अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय माना जाता है। तूफान, मानसून और शहरी विस्तार के साथ वितरण कंपनियां भूमिगत व्यवस्था पर जोर दे रही हैं। यह ऑर्डर महानगरीय पावर डिस्ट्रीब्यूशन में केबल निर्माताओं की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

निष्पादन समयसीमा सार्वजनिक रूप से नहीं बताई गई है। आपूर्ति पूरी होने पर मुंबई के वितरण नेटवर्क की क्षमता और विश्वसनीयता मजबूत होने की उम्मीद है।



Godrej Wealth to Launch Mutual Funds Next Year, Eyes ₹1 Lakh Crore AUM by 2031

Licence Filing Underway; ₹3,000 Crore Target This Fiscal Across Wealth Platform

मुंबई: Godrej Wealth plans to enter the mutual fund business next year as it builds a full wealth and asset management platform, Godrej Capital MD and CEO Manish Shah said.

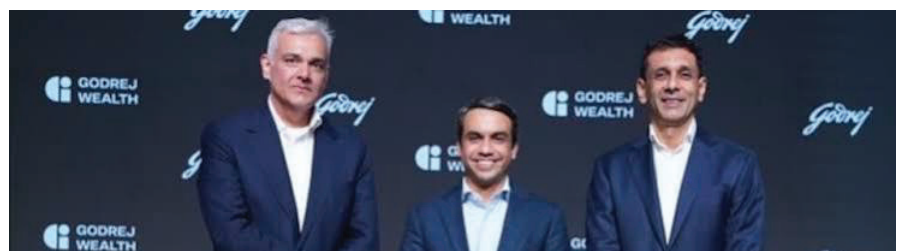
The company is filing for a mutual fund licence and expects to start operations in about a year. The new business will sit alongside its existing open-architecture wealth platform, which already offers third-party mutual funds, portfolio management services, alternative investment funds and bespoke solutions for affluent and high-net-worth clients.

Godrej Wealth already holds a PMS licence and a Category II AIF. It is also preparing to launch its first private credit fund. The group formally opened the wealth business in Mumbai in June and in Delhi this week. It plans to add Pune, Hyderabad and Bengaluru this quarter, followed by Chennai, Ahmedabad and Kolkata.

The firm has set a target of ₹3,000 crore in assets under management by the end of this financial year and ₹1 lakh crore across wealth and

asset management by 2031. The focus is on HNI and ultra-HNI clients with investable assets of about ₹2 crore and above, including entrepreneurs, business families and NRIs.

Shah said rising entrepreneurship, deeper market participation and intergenerational wealth transfer are lifting demand for organised wealth services. The move puts Godrej in a crowded field of banks, brokerages and new AMCs chasing India's expanding mutual fund and private wealth pool. Regulatory approval and distribution scale will decide how quickly the AUM targets are met.



इन्फोसिस ने इंदौर में 3.3 लाख वर्ग फुट का नया सॉफ्टवेयर ब्लॉक शुरू किया सुपर कॉरिडोर कैम्पस में एसडीबी-2 का उद्घाटन; 3,300 से अधिक कर्मचारी, एआई-क्लाउड क्षमता और आईआईटी-आईआईएम साझेदारी पर जोर

भोपाल: आईटी सेवा प्रमुख इन्फोसिस ने इंदौर डेवलपमेंट सेंटर का विस्तार करते हुए अपने सुपर कॉरिडोर कैम्पस में नया सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ब्लॉक (एसडीबी-2) शुरू किया है। 3,30,000 वर्ग फुट की इस इकाई का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और इन्फोसिस के मुख्य वित्तीय अधिकारी जयेश संग्रजका की उपस्थिति में हुआ। समारोह में सांसद शंकर लालवानी और विधायक मनोज निर्भय सिंह पटेल भी शामिल रहे।

इंदौर केंद्र में वर्तमान में 3,300 से अधिक कर्मचारी हैं, जो बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा, रिटेल, लाइफ साइंसेज तथा विनिर्माण क्षेत्रों के वैश्विक ग्राहकों को सेवा देते हैं। कंपनी का कहना है कि विस्तारित केंद्र क्लाउड, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और साइबर सुरक्षा की क्षमता बढ़ाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर मजबूत प्रतिभा आधार और नवाचार पारिस्थितिकी के साथ महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी केंद्र बन रहा है। इन्फोसिस का निवेश प्रदेश के कुशल युवाओं के लिए रोजगार बनाएगा और मध्य प्रदेश के टेक इकोसिस्टम को मजबूत करेगा। सीएफओ जयेश संग्रजका ने कहा कि विस्तार क्षेत्र की प्रतिभा का उपयोग कर एआई, क्लाउड और डिजिटल तकनीकों में क्षमता बढ़ाएगा तथा वैश्विक ग्राहकों को अधिक मूल्य देगा।



इन्फोसिस मध्य प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों के साथ कौशल कार्यक्रम और साझेदारी गहराएगी। इनमें आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय शामिल हैं। नए परिसर में लचीले वर्कस्टेशन, प्रशिक्षण सुविधाएं और वेलनेस सेंटर होंगे। ऊर्जा बचत, स्मार्ट बिल्डिंग ऑटोमेशन, वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण जैसी व्यवस्थाएं भी बताई गई हैं।

यह कदम आईटी उद्योग की उस प्रवृत्ति से जुड़ा है जिसमें एआई के कारण डिलीवरी मॉडल बदल रहे हैं और कंपनियां बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई तथा पुणे से आगे टियर-2 शहरों में क्षमता बढ़ा रही हैं। कॉग्निजेंट पहले ही इंदौर में केंद्र खोल चुका है। केंद्रीय भारत की इंजीनियरिंग कॉलेजों की प्रतिभा तक पहुंच लागत और टैलेंट दोनों के लिहाज से फायदेमंद मानी जा रही है।

निवेशकों के लिए यह इन्फोसिस की दीर्घकालिक क्षमता बढ़ाने और मध्य प्रदेश को टेक हब बनाने का संकेत है। वास्तविक रोजगार आंकड़ा और भर्ती की गति विस्तार का असली पैमाना होगी।

Is Your Child's Marriage Fund Ready?

Planning for your child's wedding may require a corpus of around **₹24 lakh.**



A SIMPLE PLAN CAN GET YOU THERE



A **₹7,000** SIP



With a **10%** Annual Step-up



For **10** Years



Can build
~ ₹24 Lakh
corpus for child's wedding



Need less than ₹24 lakh?

The rest can support your next big goal
vacation, home, retirement, re-investment, or more.

LET'S PLAN FOR THE BIG DAY.

Connect to know more

*Mutual fund investments are subject to market risk. Assumed returns @12% p.a. Figures are approximate

wealthy



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



आपने 10 साल नहीं गंवाए।
आपने ₹1.23 करोड़ गंवाए।

30 साल की उम्र में ₹10,000/माह की SIP, 12% रिटर्न के साथ शुरू की।

उम्र
55

~ ₹1.70 करोड़।



40 साल की उम्र में ₹10,000/माह की SIP, 12% रिटर्न के साथ शुरू की।

उम्र
55

~ ₹47 लाख।



₹1.23 करोड़

आइए शुरुआत करें, इससे पहले कि यह अंतर और बढ़ जाए।



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



NSE's ₹22,562-Crore IPO Opens at ₹1,700–1,785; Lists on BSE Sept 24

Entirely an offer for sale of 12.64 crore shares; retail lot of 8 shares costs ₹14,280 at the upper band

Mumbai: The National Stock Exchange of India has opened its long-awaited initial public offering for subscription from September 17 to September 21. The book-built issue is entirely an offer for sale of 12.64 crore shares, aggregating up to ₹22,562 crore at the upper price of ₹1,785. NSE will receive no proceeds; selling shareholders include State Bank of India, Bank of Baroda, Canada Pension Plan Investment Board and several insurers. The price band is ₹1,700–1,785 per share of face value ₹1. The lot size is eight shares. Retail investors need ₹14,280 for one lot at the upper band. Employees get a discount of ₹170 a share on a reserved portion of about 4.33 lakh shares. Allotment is expected on September 22, refunds and demat credit on September 23, and listing on BSE on September 24. At the upper band the implied market capitalisation is about ₹4.42 lakh crore.

Of the net offer, 50% is for qualified institutional buyers, 15% for non-institutional investors and 35% for retail. Anchor investors were allotted on September 16 and raised about ₹6,746 crore. Kotak Mahindra Capital is among the book-running lead managers; MUFG Intime India is the registrar. Incorporated in 1992, NSE is India's dominant exchange across cash equities, derivatives and currency products. As of June 30, 2026 it had over 261 million registered investor accounts, 1,328 trading members and 3,005 listed companies with combined market capitalisation of about ₹474 trillion. FY26 profit was ₹10,302 crore on total income of ₹18,713 crore; June-quarter profit was ₹3,120 crore. Because the issue is a pure OFS, investors are buying a stake in an already profitable

market infrastructure franchise rather than funding expansion. Valuation at the upper band is rich relative to many financials, but the franchise's market share and cash generation are unmatched. Demand across QIBs and retail, and the listing premium on BSE, will set the tone for one of India's largest public offerings.



वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की 35 वर्ष रखरखाव के लिए बीएचईएल-टिटागढ़ का 50:50 संयुक्त उद्यम

दिल्ली में नई कंपनी, प्रारंभिक पूंजी 50 लाख रुपये; परिचालन तत्परता, सुरक्षा और विश्वसनीयता का लक्ष्य

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) और टिटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेटों के व्यापक रखरखाव के लिए संयुक्त उद्यम समझौता किया है। अवधि 35 वर्ष होगी। दोनों कंपनियां प्रस्तावित कंपनी में 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेंगी। समझौते की जानकारी बीएचईएल ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी। यह प्रस्ताव पहले 19 मार्च 2026 को बताया गया था। संयुक्त उद्यम कंपनी अभी गठित नहीं हुई है। इसे प्राइवेट लिमिटेड के रूप में पंजीकृत किया जाएगा। प्रारंभिक चुकता पूंजी 50 लाख रुपये होगी और पंजीकृत कार्यालय दिल्ली में होगा। बोर्ड में दोनों पक्ष दो-दो निदेशक नामित करेंगे। बीएचईएल ने स्पष्ट किया कि यह संबंधित पक्ष लेनदेन नहीं है और प्रवर्तक समूह की इसमें कोई हितबद्धता नहीं है। फाइलिंग के अनुसार उद्यम दोनों कंपनियों की तकनीकी क्षमता का उपयोग कर ट्रेन सेटों की पूरी सेवा अवधि में परिचालन तत्परता, सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करेगा। कार्यक्षेत्र आपूर्ति किए गए वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेटों का व्यापक रखरखाव है। यह कदम भारतीय रेलवे के उस बड़े अनुबंध से जुड़ा है जिसमें बीएचईएल-टिटागढ़ कंसोर्टियम को स्लीपर वंदे भारत ट्रेन सेटों की आपूर्ति और लंबी अवधि के रखरखाव का जिम्मा मिला है। निर्माण के साथ-साथ 35 वर्ष का रखरखाव आधुनिक ट्रेनों के जीवनचक्र मॉडल का हिस्सा है। इससे डिपो उन्नयन और विनिर्माण क्षमता बढ़ाने का भी लक्ष्य जुड़ा है। निवेशकों के लिए यह सौदा निर्माण के बाद स्थिर, लंबी अवधि की सेवा आय का संकेत है।



टिटागढ़ के ऑर्डर बुक में रखरखाव हिस्से का योगदान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बीएचईएल के लिए यह रेल परिवहन में अपनी भूमिका को बिजली उपकरणों से आगे सेवा क्षेत्र तक ले जाने का अवसर है। सफलता ट्रेन सेटों की उपलब्धता, स्पेयर पार्ट्स, कौशल और रेलवे के सेवा स्तर मानकों पर निर्भर करेगी। यदि उद्यम समय पर काम शुरू करता है तो यह भारत में हाई-स्पीड और स्लीपर ट्रेनों के रखरखाव का एक स्थायी मॉडल बन सकता है।

Dr Reddy's Enters Immuno-Oncology Race with In-House Nivolumab Biosimilar NIVORZ

DCGI clears 12 cancer indications; Hyderabad-made IV therapy aims to widen access in India's ₹3,900-crore checkpoint-inhibitor market

Mumbai: Dr Reddy's Laboratories has launched NIVORZ, a biosimilar of Bristol Myers Squibb's Opdivo (nivolumab), marking its entry into India's biosimilar immuno-oncology segment. The intravenous drug was developed and manufactured at the company's biologics plant in Bachupally, Hyderabad. The Drugs Controller General of India has approved it for 12 indications covering solid tumours and blood cancers. Approved uses include metastatic non-small cell lung cancer, renal cell carcinoma, head and neck squamous cell carcinoma, melanoma, classical Hodgkin lymphoma, urothelial carcinoma, colorectal cancer, oesophageal squamous cell carcinoma, gastric and gastroesophageal junction cancer, malignant pleural mesothelioma and hepatocellular carcinoma. Nivolumab is a checkpoint inhibitor that helps the immune system recognise and attack cancer cells. NIVORZ will be sold in single-dose vials of 40 mg/4 mL, 100 mg/10 mL and 240 mg/24 mL. The company has not

disclosed the list price. A multi-country clinical programme in 288 patients 252 in India and 36 in Russia showed comparable efficacy, safety, pharmacokinetics and immunogenicity to the reference product. M.V. Ramana, CEO of Global Generics, said the launch strengthens the oncology portfolio and expands the firm's presence in immuno-oncology at a time when access to immunotherapy remains limited for many patients. Sridevi Khambhampaty, global head of biologics, called it a milestone for the biologics business and for complex biosimilar development. India's immuno-oncology market was estimated at about ₹3,900 crore in 2025, led by checkpoint inhibitors such as

nivolumab, pembrolizumab and toripalimab. Originator prices have kept many patients out of treatment. Biosimilars typically cut costs and expand hospital formularies, though uptake depends on oncologist confidence, tender pricing and supply reliability. For investors, NIVORZ is a test of Dr Reddy's in-house biologics capability rather than a licensed-in product. Competition already exists in the segment. Commercial success will rest on price, hospital access and consistent quality at scale. If the product gains share, it could become a meaningful addition to the company's India specialty and oncology franchise.



हिराणंदानी की ग्रीनबेस तमिलनाडु में 2,000 करोड़ से बनाएगी 50 लाख वर्ग फुट औद्योगिक पार्क

ओरागडम और अरनी में 215 एकड़ जमीन; पाइपलाइन मिलाकर लक्ष्य 90 लाख वर्ग फुट, मेक इन इंडिया गलियारों पर फोकस

चेन्नई: हिराणंदानी समूह की औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स कंपनी ग्रीनबेस इंडस्ट्रियल एंड लॉजिस्टिक्स तमिलनाडु में 2,000 करोड़ रुपये लगाकर 50 लाख वर्ग फुट औद्योगिक व गोदाम स्थान विकसित करेगी। कंपनी ने चेन्नई के औद्योगिक क्षेत्रों में 215 एकड़ जमीन ली है ओरागडम में 160 एकड़ और उत्तर चेन्नई के अरनी में 55 एकड़। यह विस्तार ग्रीनबेस 2.0 का हिस्सा है। अतिरिक्त 40 लाख वर्ग फुट अधिग्रहण पाइपलाइन में है, जिस पर करीब 1,500 करोड़ रुपये और लग सकते हैं। इससे कुल विकास लक्ष्य 90 लाख वर्ग फुट तक पहुंच सकता है। विकास संस्थागत स्तर के औद्योगिक, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्रित होगा। समूह के चेयरमैन निरंजन हिराणंदानी ने कहा कि वैश्विक निर्माता विश्वसनीय इकोसिस्टम, तेज निष्पादन, स्थिरता और दीर्घकालिक स्केल वाली इंफ्रास्ट्रक्चर चाहते हैं। ग्रीनबेस 2.0 भविष्य के औद्योगिक गंतव्य बनाने की प्रतिबद्धता है। सीईओ एन. श्रीधर ने कहा कि मेक इन इंडिया

से बड़े निर्माताओं के साथ सहायक उद्योगों: ऑटो कंपोनेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और 3पीएल की मांग भी बढ़ रही है। पहला चरण पहले ही पूरा हो चुका है। ओरागडम (चेन्नई) और तालेगांव (पुणे) के पार्कों में करीब 50 लाख वर्ग फुट डिलीवर हो चुका है। प्रमुख किरायेदारों में वेस्टास, गुरिट, हेल्मैन टाइटन, सैनमिना, बेकर ह्यूज, मैग्ना और हुंडई ट्रांसिंस शामिल हैं। नए पार्क नवीकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोटिव, ईएमएस, भारी इंजीनियरिंग और लॉजिस्टिक्स कंपनियों को लक्षित करेंगे। छत पर सौर ऊर्जा, जल पुनर्भरण, ईवी चार्जिंग, प्रस्तावित आईजीबीसी प्लेटिनम प्रमाणन तथा निर्माण-संचालन में एआई व आईओटी लगाने की योजना है। तमिलनाडु विनिर्माण आधार, कुशल श्रम और बंदरगाह-सड़क कनेक्टिविटी के कारण प्राथमिक बाजार है। कंपनी कोयंबटूर, तूतीकोरिन और होसुर का भी मूल्यांकन कर रही है। निवेशकों के लिए यह ग्रेड-ए औद्योगिक अचल संपत्ति पर दांव है। मांग मजबूत है, लेकिन

सफलता भूमि मंजूरी, निर्माण गति और किरायेदार भरने पर निर्भर करेगी।



एशिया में एलएनजी 26 डॉलर पर महंगी, भारत खरीद जारी रखे हुए सिटी गैस और उर्वरक से मांग बनी, चीन-जापान ने खपत घटाई; कीमत दिसंबर 2022 के बाद सबसे ऊंची

नई दिल्ली: एशियाई स्पॉट एलएनजी कीमत करीब 26 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पहुंच गई है, जो दिसंबर 2022 के बाद का उच्च स्तर है। खाड़ी आपूर्ति बाधित होने से बाजार सख्त हो गया। कतरएनर्जी ने बलमajeure घोषित कर निर्यात रोक, जिससे कतर की एलएनजी निर्यात क्षमता का करीब 17 प्रतिशत प्रभावित हुआ। फरवरी के बाद कीमतें दोगुनी से अधिक हो चुकी हैं। इस गर्मी में कई एशियाई खरीदार पीछे हट गए। इस वर्ष एशियाई मांग 2025 की तुलना में 3 से 10 प्रतिशत घटने का अनुमान है, जिसमें ज्यादा गिरावट पूर्वोत्तर एशिया में है। चीन की मांग करीब 61 लाख टन कम रहने का अनुमान है। घरेलू गैस उत्पादन, पाइपलाइन आयात और कम इन्वेंटरी के कारण चीन की जरूरत घटी। जापान और दक्षिण कोरिया में भी बिजली के लिए गैस मांग नरम रही। भारत अपेक्षाकृत अधिक खरीद कर रहा है। एलएनजी विश्लेषक श्रुति शाह के अनुसार सिटी गैस वितरण और उर्वरक क्षेत्र देश के एलएनजी आयात का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा हैं। गेल अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने कहा कि ऊंची कीमत मांग पर असर डाल रही है और कुछ उद्योग अन्य ईंधन पर जा रहे हैं, फिर भी आपूर्ति करीब 90-95 प्रतिशत बहाल कर दी गई है। पेट्रोनेट एलएनजी सीईओ अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि सामर्थ्य चुनौती है, लेकिन कीमत-संवेदनशील मांग बनी हुई है। कपलर का अनुमान है कि इस वर्ष औसत कीमत 19.30 डॉलर और 2027 में 14.90 डॉलर रह सकती है। 2027 में एशियाई मांग करीब 280 मिलियन टन पर लौट सकती है, बशर्ते आपूर्ति सुधरे। यूरोप की इन्वेंटरी भरने की जरूरत कीमतों को ऊंचा रख सकती है। भारत की खरीद उर्वरक और शहरी गैस पर टिकी है, जबकि उद्योग मांग कीमत गिरने का इंतजार कर रही है।



NBCC Signs MoU with NHPC to Execute Infrastructure Projects Nationwide

PMC and Deposit-Work Mandate Covers Design, Construction and Handover of Buildings

New Delhi: State-owned NBCC (India) Limited has signed a memorandum of understanding with NHPC Limited to execute the hydropower major's infrastructure projects across the country.

Under the pact, NBCC will provide project management consultancy and take up specified works on a deposit-work basis. The scope includes design, engineering, procurement, construction, quality control, installation, commissioning, statutory compliances and handing over of completed assets. The collaboration covers buildings, structures and allied infrastructure on a pan-India basis.

NBCC said the arrangement combines NHPC's experience in hydropower and clean power with its own expertise in planning and executing public infrastructure under government guidelines. No project value has been disclosed in the memorandum.

The framework is expected to help NHPC speed up non-core civil, campus and allied works while it focuses on generation projects. For NBCC, it adds another central public sector client to its PMC and construction portfolio.

Both companies are government-owned and have a nationwide footprint. Officials said the tie-up should support timely execution, quality control and compliance at multiple locations. It also reflects growing cooperation among CPSEs to share execution capacity and reduce delays in public works.

How quickly individual projects are awarded under the MoU will determine the addition to NBCC's order book. The agreement itself is an enabling platform rather than a single large contract. Markets will watch the first set of assignments for scale and timelines.



रेंटोमोजो का दमदार डेब्यू, IPO निवेशकों को मिला 19% का प्रीमियम 73 गुना सब्सक्रिप्शन ने बढ़ाया उत्साह, एनएसई पर 19% प्रीमियम के साथ शेयर की शानदार लिस्टिंग

Mumbai: फर्नीचर और उपकरण किराए पर देने वाली कंपनी रेंटोमोजो गुरुवार को दलाल स्ट्रीट पर 19 प्रतिशत प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुई। एनएसई पर शेयर ₹482.45 पर खुला, जबकि निर्गम मूल्य ₹404 था। बीएसई पर शुरुआती भाव ₹480 रहा। शुरुआती कारोबार में यह 25 प्रतिशत तक चढ़ा भी।

₹1,255.57 करोड़ के आईपीओ में ताजा निर्गम ₹150 करोड़ और ऑफर फॉर सेल करीब ₹1,106 करोड़ का था। 9 से 11 सितंबर के बीच निर्गम करीब 73 गुना सब्सक्राइब हुआ। क्यूआईबी हिस्सेदारी 177 गुना से अधिक भरी गई।

एक्सेल 2015 से निवेशक है और प्री-आईपीओ सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखता था। ओएफएस में उसने करीब ₹317 करोड़ के शेयर बेचे, जो आंशिक निकासी है। संस्थापक गीतांश बमानिया हैं।

रेंटोमोजो शहरी ग्राहकों को सोफा, उपकरण और घर का सामान किराए पर देती है। कंपनी के पास देशभर में अनुभव केंद्र और लाखों लाइव आइटम हैं। ताजा पूंजी जागरूकता बढ़ाने और नई श्रेणियों में विस्तार के लिए इस्तेमाल होगी। लिस्टिंग पर बाजार पूंजीकरण करीब ₹5,071 करोड़ रहा। किराया मॉडल शहरीकरण और “स्वामित्व से उपयोग” के रुझान पर टिका है। निष्पादन अब ग्राहक बनाए रखने, परिसंपत्ति उपयोग और नई श्रेणियों की मांग पर निर्भर करेगा। मजबूत सब्सक्रिप्शन ने पहली लिस्टिंग को सहारा दिया।



पैसाबाजार अनसिक्योर्ड कर्ज से आगे बढ़कर वेल्थ बिजनेस पर जोर दे रहा म्यूचुअल फंड, बॉन्ड और एफडी से नया राजस्व; डेली एसआईपी भी शुरू

बेंगलुरु: पीबी फिनटेक की कंपनी पैसाबाजार अनसिक्योर्ड क्रेडिट पर निर्भरता घटाने के लिए वेल्थ बिजनेस का विस्तार कर रही है। सीईओ संतोष अग्रवाल के अनुसार करीब 18 महीने पहले लगभग पूरा राजस्व अनसिक्योर्ड कर्ज से आता था। अब करीब दो-तिहाई अनसिक्योर्ड और एक-तिहाई सिक्योर्ड उत्पादों से आ रहा है।

कंपनी ने पिछले वर्ष फिक्स्ड डिपॉजिट और बॉन्ड जोड़े थे। अब म्यूचुअल फंड, बॉन्ड और जमा उत्पादों को मिलाकर वेल्थ प्लेटफॉर्म खड़ा किया जा रहा है। पैसाबाजार एएमएफआई पंजीकृत म्यूचुअल फंड वितरक है और कई एएमसी की योजनाएं उपलब्ध कराता है।

नए फीचर के रूप में डेली एसआईपी शुरू किया गया है, जिसमें मासिक बड़ी किस्त के बजाय रोज छोटे निवेश किए जा सकते हैं। यह विकल्प स्वरोजगार, दुकानदारों और गिग वर्कर्स के लिए है, जिनकी आय मासिक चक्र पर नहीं चलती।

पैसाबाजार मूलतः लोन तुलना प्लेटफॉर्म रहा है। कर्ज चक्र के उतार-चढ़ाव से राजस्व बचाने के लिए बचत और निवेश उत्पादों की ओर बढ़ना रणनीतिक कदम है। वेल्थ सेगमेंट में बैंक, ब्रोकर और नए प्लेटफॉर्म पहले से मौजूद हैं, इसलिए वितरण, भरोसा और ग्राहक अनुभव निर्णायक होंगे।

विविधीकरण से राजस्व अधिक स्थिर हो सकता है, लेकिन म्यूचुअल फंड वितरण में प्रतिस्पर्धा तेज है। अनसिक्योर्ड क्रेडिट अभी भी बड़ा हिस्सा है, इसलिए ऋण बाजार की स्थिति कंपनी के नतीजों पर असर डालती रहेगी। वेल्थ पुश दीर्घकालिक प्लान का हिस्सा है।



AI-Focused VC Firm Activate Closes Maiden Fund at \$105 Million

\$85 million Early-Stage Pool Plus \$20 Million Growth Vehicles; 10 Bets Since December

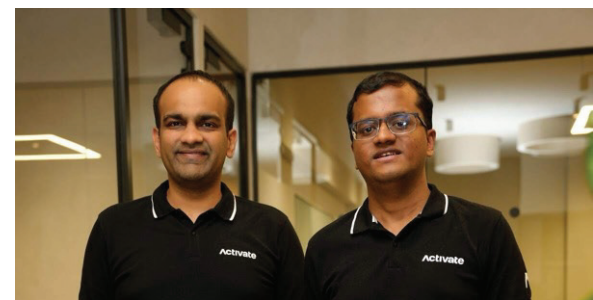
Bengaluru: Activate, an artificial intelligence-focused venture firm founded by Haptik co-founder Aakrit Vaish and former Together Fund investor Pratyush Choudhury, has closed its maiden platform at \$105 million, or about ₹1,000 crore.

The pool includes an \$85 million early-stage fund, which closed 125 per cent above its original target, and \$20 million already deployed through dedicated growth vehicles. The firm was set up in December 2025 and has made 10 investments since its first close seven early-stage and three growth bets, including Sarvam AI, Eleven Labs and Wispr Flow.

Activate typically leads a startup's first institutional round with cheques of \$500,000 to \$3 million and aims to back 25–30 companies across AI applications, foundational models and related infrastructure. Focus areas include domestic AI capabilities, AI-led services and consumer applications.

Limited partners include more than 50 founders and researchers, global venture partners and family offices. Named backers include General Catalyst, Vinod Khosla, Vijay Shekhar Sharma, Groww founders Lalit Keshre and Harsh Jain, Ronnie Screwvala and Ranjan Pai. Vaish, who earlier advised the IndiaAI Mission, and Choudhury said India's

opportunity is not to copy global models but to build from local strengths. The close adds a dedicated AI vehicle to India's venture market as capital concentrates around model, application and infrastructure startups. Deployment quality over the next two years will determine whether the oversized first close translates into durable portfolio outcomes.



WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj

Technical Head

anil.stockcare@gmail.com

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1

- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	23346	24064	23829	23587	23352	23110	22875	22633
BANK NIFTY	56359	58173	57584	56972	56383	55771	55182	54570
SENSEX	74296	76616	76026	75161	74571	73706	73116	72251
FINNIFTY	25510	26479	26104	25807	25432	25135	24760	24463
MIDCAP	14501	15312	15002	14752	14442	14192	13882	13632
ACC	1272	1356	1318	1295	1257	1234	1196	1173
AXISBANK	1245	1300	1279	1262	1241	1224	1203	1186
ABCAPITAL	402	439	422	412	395	385	368	358
BHARTIARTL	1836	1885	1869	1852	1836	1819	1803	1786
BHEL	433	472	454	443	425	414	396	385
BIOCON	388	419	405	397	383	375	361	353
BEL	397	429	416	407	394	385	372	363
CDSL	1385	1526	1458	1421	1353	1316	1248	1211
DATAPATTERN	4540	5555	5192	4866	4503	4177	3814	3488
ESCORTS	2789	2997	2948	2869	2820	2741	2692	2613
EICHERMOTOR	7555	7780	7676	7615	7511	7450	7346	7285
FEDERAL BANK	335	367	356	346	335	325	314	304
GRINFRAPROJECT	823	923	890	857	824	791	758	725
HDFCBANK	731	761	747	739	725	717	703	695
HCLTECH	1241	1331	1310	1276	1255	1221	1200	1166
HINDUNILVR	1948	2015	1996	1972	1953	1929	1910	1886
HAL	4860	5319	5129	4995	4805	4671	4481	4347
HYUNDAI	2171	2327	2280	2225	2178	2123	2076	2021
IOC	136	143	140	138	135	133	130	128
ICICIBANK	1341	1425	1408	1374	1357	1323	1306	1272
INFY	1040	1139	1119	1079	1059	1019	999	959
ITC	265	281	275	270	264	259	253	248
KOTAKBNK	415	433	427	421	415	409	403	397
LICHOUSING	550	602	583	567	548	532	513	497
LT	3897	4131	4045	3971	3885	3811	3725	3651
LUPIN	2075	2195	2154	2115	2074	2035	1994	1955
MARUTI	12171	12728	12599	12385	12256	12042	11913	11699
M&M	3089	3234	3181	3135	3082	3036	2983	2937
MGL	1079	1143	1118	1098	1073	1053	1028	1008
MAZGAONDOC	2252	2512	2429	2341	2258	2170	2087	1999
PFC	345	360	356	351	347	342	338	333
RECLTD	311	323	320	315	312	307	304	299
RELIANCE	1243	1280	1270	1256	1246	1232	1222	1208
SBIN	993	1040	1020	1007	987	974	954	941
SUNPHARMA	1852	1926	1901	1877	1852	1828	1803	1779
SHRIRAMFINANCE	1010	1118	1081	1046	1009	974	937	902
TITAN	4825	5192	5098	4961	4867	4730	4636	4499
TCS	2105	2472	2398	2251	2177	2030	1956	1809
TATAMOTORS	304	337	329	316	308	295	287	274
UPL	561	601	588	575	562	549	536	523
VALIENT	422	485	453	438	406	391	359	344
WIPRO	164	180	177	170	167	160	157	150

India Secures 1.9 MT
Duty-Free Steel Quota to
EU, Eyes 2.8 MT Access

New Delhi: India has secured a country-specific tariff-rate quota of 1.9 million tonnes a year for steel exports to the European Union. The government expects another 0.9 million tonnes through residual quotas, taking potential duty-free access to about 2.8 million tonnes.

A commerce ministry official said on Thursday that this would cover more than 80 per cent of India's steel shipments to the 27-nation bloc. India exported about 3 million tonnes of steel goods to the EU last fiscal year. The residual slice is available first-come, first-served and is described as a conservative estimate.

The arrangement follows the EU's Steel Overcapacity Regulation, which took effect on July 1, 2026. The bloc set overall duty-free quotas at 18.3 million tonnes and a 50 per cent tariff on volumes beyond quota. A melt-and-pour rule is meant to increase transparency on origin. Officials said FTA benefits for steel have been front-loaded, so exporters have already begun shipping under the quota even before the wider India-EU trade pact is signed.

Products covered include hot-rolled and cold-rolled sheets, coated sheets, tin mill items, stainless steel, bars, rebars, wire rods, pipes and tubes.

Duty-free quota access does not remove the EU's Carbon Border Adjustment Mechanism, which will apply inside and outside the quota and could add a significant carbon charge as it phases in. Quota utilisation, CBAM costs and residual-window timing will decide how much of the 2.8 million-tonne opportunity Indian mills actually ship.

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.